...*(Interruptions)*... We want an assurance from the Government. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Minister is not there. How can he respond? ...(Interruptions)...

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): How can a language be removed? ...(Interruptions)... This is a discrimination ...(Interruptions)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): यह क्षेत्रीय भाषा का अपमान है ...(व्यवधान)...

SHRI B.J. PANDA: Can the Parliamentary Affairs Minister give us an assurance that this will be corrected? ...*(Interruptions)*... We want an assurance from the Government that Oriya signage will be reinstated. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति: आप लोग बैठिए ...(व्यवधान)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): उपसभापति महोदय, माननीय सदस्यों ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं, उनसे मैं रेल मंत्रालय को अवगत करा दूंगा।

Re Implementation of Recommendations of Sachar Committee Report

श्री शाहिद सिद्दीकी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, इस देश में विकास का सवाल और किसी भी वर्ग के पिछड़े होने का सवाल, राजनीतिक सवाल नहीं है। अगर एक वर्ग पिछड़ा रहता है, तो पूरा देश पिछड़ा रहता और हम सबका जो सपना है हिन्दुस्तान को एक super economic power बनाने का, वह तभी पूरा होगा, जब यहां पर संतुलित विकास होगा। इसी संदर्भ में जब सच्चर कमेटी की रिपोर्ट आई, तो हम लोगों को लगा कि यह जो असंतुलन 60 सालों में पैदा हुआ है, 60 सालों में विकास के मामले में जो लोग पिछड़े रहे हैं, मैं इसके कारणों में नहीं जाना चाहता, कारण बहुत सारे हैं ...(व्यवधान)

†[ ] **شری شاہد صدیقی (اتر پردیش)** : اپ سبھا پتی جی، اس دیش میں وکاس کا سوال اور کسی بھی ورگ کے بچھڑے ہونے کا سوال، راجنیتک سوال نہیں ہے۔ اگر

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

†ایک ورگ پچھڑا رہتا ہے، تو پورا دیش پچھڑا رہتا ہے اور ہم سب کا جو سپنا ہے ہندوستان کو ایک super economic power بنانے کا، وہ تبھی پورا ہوگا، جب یہاں پر سنتلت وکاس ہوگا۔ اسی سندربھ میں جب سچر کمیٹی کی رپورٹ آئی، تو ہم لوگوں کو لگا کہ یہ جو اسنتلن 60 سالوں میں پیدا ہوا ہے، 60 سالوں میں وکاس کے معاملے میں جو لوگ پچھڑ رہے ہیں، میں اس کے کارنوں میں نہیں جانا چاہتا، کارن بہت سارے ہیں۔مداخلت۔ ‡

श्री उपसभापति: मत जाइए, क्योंकि आपके पास केवल 3 मिनट हैं ...(व्यवधान)

श्री शाहिद सिद्दिकी: आप मुझे इस पर अपनी बात कहने दीजिए, मैं बहुत दिनों से इस बारे में अपनी आवाज उठा रहा हूं, आप मुझे अपनी बात कहने दीजिए। मैं कोई राजनीतिक बात नहीं कर रहा हूं, मैं यह कहना चाह रहा हूं कि जो भी कारण हैं, पिछड़ापन अगर किसी भी कारण से है, तो यह राज्य की जिम्मेदारी है, यह समाज की जिम्मेदारी है, यह हमारे संविधान की जिम्मेदारी है, यह हम सबकी राजनीतिक जिम्मेदारी है कि उस पिछड़ेपन को दूर करने के लिए हम ठोस कदम उठाएं, इसलिए कि यह किसी मुसलमान का सवाल नहीं है, किसी हिन्दू का सवाल नहीं है, किसी एक वर्ग का सवाल नहीं है, यह सबका सवाल है और जो लोग इसका विरोध करते हैं, उन्हें भी इस बात को समझना होगा कि अगर हमें इस देश में अपने दुश्मनों से लड़ना है, हिन्दुस्तान के विरोधियों का मुकाबला करना है, जो हिन्दुस्तान को subotage करना चाहते हैं, उनका मुकाबला करना है, तो उस वर्ग के पिछड़ेपन को हटाना होगा, जिस वर्ग का ये लोग फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। सर, लेकिन यह रिपोर्ट पिछले साल नवम्बर में आई थी। हमने सोचा था कि 60 साल में जो विकास नहीं हुआ , अब बहुत जल्दी होगा, अब बहुत आगे बढ़ कर काम किया जाएगा और कदम उठाए जाएंगे, लेकिन कदम नहीं उठाए गए, कोई काम नहीं हुआ, रिपोर्ट discuss तक नहीं हुई। हम मुसलसल आवाज उठा रहे हैं कि इसे हाउस में discuss किया जाए। मैं सरकार से जानना चाहता हूं, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आखिर सच्चर कमेटी के ऊपर क्या एक्शन लिया गया है, उसकी रिपोर्ट को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, अभी कितने साल इन्तजार करेंगे? क्या पिछली सारी रिपोर्टों की तरह सच्चर कमेटी की रिपोर्ट को भी ठंडे बस्ते में डालेंगे और ज्यादा-से-ज्यादा दिखावे के लिए यहां पर कुछ बात कर ली? मैं जानना चाहता हूं कि अब तक इसे implement करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और मुसलमानों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षाणिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए सरकार ने क्या किया है?

---

†[Transliteration in Urdu Script]

شری شاہد صدیقی : آپ مجھے اس پر اپنی بات کہنے دیجئے، میں بہت دنوں سے اس بارے میں اپنی آواز اٹھا رہا ہوں، آپ مجھے اپنی بات کہنے دیجئے۔ میں کوئی راجنیتک بات نہیں کر رہا ہوں، میں یہ کہنا چاہ رہا ہوں کہ جو بھی کارن ہیں، پچھڑا پن اگر کسی بھی کارن سے ہے، تو یہ راجنے کی ذمہ داری ہے، یہ سماج کی ذمہ داری ہے، یہ ہمارے سنودھان کی ذمہ داری ہے، یہ ہم سب کی راجنیتک ذمہ داری ہے کہ اس پچھڑے پن کو دور کرنے کے لئے ہم ٹھوس قدم اٹھائیں، اس لئے کہ یہ کسی مسلمان کا سوال نہیں ہے، کسی ہندو کا سوال نہیں ہے، کسی ایک ورگ کا سوال نہیں ہے، یہ سب کا سوال ہے اور جو لوگ اس کا ورودھ کرتے ہیں، انہیں بھی اس بات کو سمجھنا ہوگا کہ اگر ہمیں اس دیش میں اپنے دشمنوں سے لڑنا ہے، ہندوستان کے ورودھیوں کا مقابلہ کرنا ہے، جو ہندوستان کو sabotage

کرنا چاہتے ہیں، ان کا مقابلہ کرنا ہے، تو اس ورگ کے پچھڑے پن کو ہٹانا ہوگا، جس ورگ کا یہ لوگ فائدہ اٹھانے کی کوشش کرتے ہیں۔

سر، لیکن یہ رپورٹ پچھلے سال نومبر میں آنی تھی۔ ہم نے سوچا تھا کہ 60

سال میں جو وکاس نہیں ہوا، اب بہت جلدی ہوگا، اب بہت آگے بڑھ کرکام کیا جائے گا اور قدم اٹھانےجائیں گے، لیکن قدم نہیں اٹھانے گئے، کوئی کام نہیں ہوا،

رپورٹ ڈسکس تک نہیں ہوئی، ہم مسلسل آوازاٹھا رہے ہیں کہ اسے ہاوس میں ڈسکس کیا جائے۔ میں سرکار سے جاننا چاہتا ہوں، میں منتری جی سے جاننا چاہتا

ہوں کہ آخر سچر کمیٹی کے اوپر کیا ایکشن لیا گیا ہے، اس کی رپورٹ کو لاگو کرنے کے لئے کیا قدم اٹھائے گئے ہیں، ابھی کتنے سال انتظار کریں گے؟ کیا

†Transliteration of Urdu Script.

پچھلی ساری رپورٹوں کی طرح سچر کمیٹی کی رپورٹ کو بھی ٹھنڈے بستے میں ڈالیں گے اور زیادہ سے زیادہ دکھاوے کے لئے یہاں پر کچھ بات کر لی؟ میں

جاننا چاہتا ہوں کہ اب تک اسے implement کرنے کے لئے کیا قدم اٹھائی گئے ہیں اور مسلمانوں کے آرتھک، سماجک اور شیکشک پچھڑے پن کو دور کرنے کے لئے سرکار نے کیا کیا ہے؟†

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल) : सर, उन्हें जवाब देना चाहिए। सर, एक साल हो गया है।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, long back, it was laid on the Table of the House.

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : उपसभापति महोदय, जैसा माननीय सदस्य ने कहा कि 9 मार्च 2005 को जस्टिस राजेन्द्र सच्चर की अध्यक्षता में प्रधान मंत्री के स्तर के एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया था, जिन्होंने 30 नवम्बर 2006 को यह रिपोर्ट इस सदन में प्रस्तुत कर दी थी। यद्यपि यह कमेटी Commission of Inquiry Act, 1952 के तहत गठित नहीं की गई थी और इसलिए यह आवश्यक नहीं था कि उसकी रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की जाती, लेकिन सरकार की मंशा स्पष्ट थी कि जिस मकसद को ध्यान में रखते हुए इसका गठन किया गया था, वह मकसद था कि हमारी मुस्लिम कम्युनिटी का social, edcational and economic standard और status क्या है, उसकी समीक्षा की जाए, उसको मद्दे नजर रखते हुए कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उस रिपोर्ट को यहां प्रस्तुत किया गया। उस रिपोर्ट में जो recommendations थीं, जो सम्बन्धित मंत्रालय हैं, उनसे सम्बन्धित जो सिफारिशें की गई थीं, वे 19 दिसम्बर 2006 को सारे सम्बन्धित मंत्रालयों को उचित कार्रवाई के लिए प्रेषित की गई। जो अंतर मंत्रालय की मीटिंग होती है, वह 5 फरवरी, 7 फरवरी, 16 फरवरी और 1 मार्च को हुई। इस मीटिंग के बाद किसी नतीजे पर हम लोग पहुंचे और इस सम्बन्ध में माइनोरिटी अफेयर्स मिनिस्टर ने बताया है कि इन सम्बन्धित मंत्रालयों से सम्बन्धित जो सिफारिशें की गई थीं, वे इन मंत्रालयों की जो मीटिंग हुई, उसने जो अनुशंसा की है, उसके लिए एक final paper कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। मान्यवर, रही बात इस सदन में चर्चा की, तो इस सदन में चर्चा के लिए जब यह मामला आया, तो सरकार की ओर से हमने स्वयं इस बारे में रजामंदी दी कि इस विषय पर इस सदन में चर्चा होनी चाहिए। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने भी इस पर चर्चा के लिए समय नियत किया है। जो भी

†Transliteration of Urdu Script

निर्देश होगा, जो समय तय होगा ...(व्यवधान)... आप पहले पूरा तो सुन लें ...(व्यवधान)... आप सुन तो लीजिए ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए ...(व्यवधान)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: आज तक जितने भी कमीशन हैं ...(व्यवधान)... कमीशन रिपोर्ट आई थी, आपने 30 साल पहले 15 प्वायंट प्रोग्राम दिया था, 30 साल और पिछड़ गए...(व्यवधान)...

†[شری شاہد صدیقی : آج تک جتنے بھی کمیشن ہیں ۔مداخلت۔ کمیشن رپورٹ آئی تھی، آپ نے 30 سال پہلے 15 پوائنٹ پروگرام دیا تھا، 30سال اور پچھڑ گئے ۔مداخلت۔]

श्री उपसभापति: आप बैठिए ...(व्यवधान)... शाहिद सिद्दिकी साहब, यह ठीक नहीं है ...(व्यवधान)... आप मंत्री जी को पूरा जवाब देने दीजिए ...(व्यवधान)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, he says that the Group of Ministers is discussing this. Why don't you take the House into confidence?

श्री शाहिद सिद्दिकी: कमीशन पर कमीशन ...(व्यवधान)... 60 साल हो गए ...(व्यवधान)...

†[شری شاہد صدیقی : کمیشن پر کمیشن ۔مداخلت۔ 60 سال ہو گئے ۔مداخلت۔]

श्री उपसभापति: देखिए, आप जीरो आवर में कुछ उठाना चाहते हैं और मंत्री जी को बोलने भी नहीं देते हैं, यह कैसी बात है ...(व्यवधान)... वे बोल रहे हैं, तो सुनिए न। वे आपकी सुन रहे हैं, तो आप भी उनकी सुनिए ...(व्यवधान)... कमाल अख्तर साहब, आप बैठिए ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर, जहां तक इस सरकार का प्रश्न है, इस कमेटी ने जो अनुशंसा की है, सरकार उच्च प्राथमिकता के आधार पर समुचित कदम उठाएगी। वह इस बात के लिए वचनबद्ध और कटिबद्ध है, मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं।...(व्यवधान)... हम इस पर discussion के लिए भी तैयार हैं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: कमाल अख्तर साहब, आप बैठिए ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): उपसभापति जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने काफी विस्तृत रूप में इस बात का जवाब देते हुए कुछ तकनीकी बातों का भी जिक्र किया है। मैं केवल आपके माध्यम से सदन को और संसदीय कार्य-मंत्री जी को यह याद दिलाना चाहती हूं कि इस बार

---

†Transliteration of Urdu Script.

के सत्र के प्रारम्भ में जब संयुक्त अधिवेशन हुआ था, तो राष्ट्रपति जी के वक्तव्य में इस बात का आश्वासन राष्ट्रपति जी के माध्यम से दिया गया था कि इस समिति पर इस बार चर्चा होगी। In so many words, यही लिखा है कि इस सत्र में इस पर चर्चा होगी और जैसा कि माननीय मंत्री जी ने कहा कि बी॰ ए॰ सी॰ में हम ने इस विषय पर चर्चा के लिए पहचान की हुई है, मेरा माननीय मंत्री जी से केवल इतना निवेदन है कि चूंकि इस चर्चा की पहचान की गई है, हम चर्चा करना चाहते हैं और उनके मुताबिक सरकार भी चर्चा से भागना नहीं चाहती है तो 22 तारीख से पहले सत्र समाप्त न करें। इस विषय पर चर्चा अवश्य हो और 22 तारीख को ही सत्र समाप्त हो।

Re. Demand to Scrap the Land Acuisition Act, 1894

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Sir, only last week, the country celebrated the 150th anniversary of the First War of Independence of 1857, and we got together in the august Central Hall of Parliament to mark this anniversary.

Sir, we are very proud that the farmers were involved in fighting this War of Independence. Thanks to Shaheed Bhagat Singh, today, we have this Parliament. We also talk about Jhansi ki Rani, Mangal Pandey and Bahadur Shah Zafar. But there is one irony and the irony is that we are dependent on an Act of 1894, and, I am talking about the Land Acquisition Act of 1894.

Sir, are we so weak that we are following the Act which was passed by the Britishers to rule on the farmers and make them slave. The reason why I am standing here is to demand the scrapping of this Act because the entire country is burning, whether it is North, South, East or West, and, particularly, you can see that the farmers are out on the streets. Today, you are forcing them to commit suicide. A day will come when the farmers will take law into their own hands. We have also been discussing about the naxalites in this House, and, I tell you, Sir, that the entire farmer community is totally worked up. So, this Act must be scrapped with retrospective effect. This Parliament passed a law on Office of Profit with retrospective effect, just to save a few Parliamentarians. *(Time-bell)*. I am demanding scrapping of this Act retrospectively to save the farmers. Do you want the poor farmers to. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Mr. Trivedi, please. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Your notice is on scrapping of Land Acquisition Act. You confine to that only. ...*(Interruptions)*...